CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

ANSWER KEY

From previous CBSE Board Exam questions

Code: KIJ8QE	Questions: 19	Maximum Marks: 50	Generated: 2026-06-15 13:05

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा
Year	2022-2026
Questions selected	19

Composition — Types: 12 Short · 3 MCQ · 3 reading_comprehension · 1 literature_extract

Q1.

पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 'छू न पाए सीता का दामन कोई' — पंक्ति में सीता से अभिप्राय है :

(a) भारत-माता
(b) देश की बहन-बेटियाँ
(c) (a) और (b) दोनों
(d) तीनों में से कोई नहीं

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q8 (ii)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

(c) (a) और (b) दोनों

'सीता' यहाँ भारत-माता तथा देश की बहन-बेटियों — दोनों का प्रतीक है। सैनिक चाहता है कि उसकी माँ-भूमि और देश की नारियों की मर्यादा व सम्मान सदा सुरक्षित रहे।

Explanation

- इस गीत (कैफ़ी आज़मी, फ़िल्म *हक़ीक़त*) में सैनिक की दोहरी चिंता है — राष्ट्र-भूमि (भारत-माता) और देश की स्त्रियों का सम्मान।
- 'सीता' एक सांस्कृतिक प्रतीक है जो पवित्रता और सम्मान का बोध कराता है; अतः उत्तर (c) सर्वाधिक उपयुक्त है।
- MCQ में विकल्प (c) 'दोनों' वाला प्रायः सही होता है जब कविता में एक से अधिक अर्थ स्पष्ट हों।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q2. **[2]**

'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' – 'कर चले हम फ़िदा' कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्ति में 'इस जश्न' से कवि का क्या आशय है और उसे बाद में मनाने के पीछे क्या कारण है ?

Previously asked in: 2022 4/4/1 Q1 (ग)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'इस जश्न' से कवि का आशय **शहादत के जश्न** से है — अर्थात् देश के लिए प्राण न्योछावर करना स्वयं में एक उत्सव है। फ़तह (विजय) का जश्न इसके बाद इसलिए मनाया जाएगा क्योंकि पहले सैनिकों को बलिदान देकर देश की रक्षा करनी है; विजय का उत्सव तभी संभव है जब देश सुरक्षित रहे।

Source: कर चले हम फ़िदा, पाठ प्रवेश एवं शब्दार्थ — chapter 6

Explanation

- 'इस जश्न' = शहादत / बलिदान का जश्न (सैनिक का मर-मिटना खुद एक उत्सव है)।
- फ़तह का जश्न बाद में — पहले बलिदान, फिर जीत; क्रम का यही तर्क परीक्षक खोजते हैं।
- दोनों बिंदु (आशय + कारण) लिखना ज़रूरी है, वरना अंक कटते हैं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q3. **[5]**

> साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
> फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
> कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
> सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
> मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
> अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' पंक्ति के संदर्भ में सैनिक की विशेषता को दर्शाने वाला सही विकल्प है – [1]

(a) दृढ़ता और कर्तव्य परायणता
(b) साहस और निडरता
(c) वीरता और निडरता
(d) उदारता और भावुकता

(ii) 'हिमालय' किसका प्रतीक है ? [1]

(a) पर्वतों के राजा का
(b) पर्वत शृंखला का
(c) युद्ध के स्थल का
(d) देश के मान का

(iii) 'कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं' में 'हमारे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? [1]

(a) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए
(b) देश की रक्षा हेतु घायल होते सैनिकों के लिए
(c) देश की सीमाओं पर पहरा देते सैनिकों के लिए
(d) देश के पर्वतीय हिस्सों में तैनात सैनिकों के लिए

(iv) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : (क) सैनिक घायल अवस्था में भी अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करने से पीछे नहीं हटते । (ख) सैनिक युद्ध के लिए जाते समय अपने सभी उत्तरदायित्व किसी और को सौंप जाते हैं । (ग) सैनिक देश और देशवासियों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा देते हैं । (घ) सभी सैनिक मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होने के कारण ही अहंकारी होते हैं । उपर्युक्त कथनों के लिए काव्यांश से मेल खाते हुए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : [1]

(a) (क) और (ख)
(b) (क) और (ग)
(c) (क), (ख) और (ग)
(d) (क), (ग) और (घ)

(v) काव्यांश में देशवासियों से क्या अपेक्षा की गई है ? [1]

(a) देश के विकास की
(b) देश के विस्तार की
(c) देश की रक्षा की
(d) देश की संपन्नता की

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q7

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding stimulus+chapter

Model Answer

(i) (a) दृढ़ता और कर्तव्य परायणता

(ii) (d) देश के मान का

(iii) (a) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

(iv) (b) (क) और (ग)

(v) (c) देश की रक्षा की

Source: 'कर चले हम फिदा', काव्यांश

Explanation

- **(i)** साँस रुकने और नब्ज़ जमने के बावजूद कदम न रुकना — यह **दृढ़ता और कर्तव्यपरायणता** दर्शाता है, न केवल निडरता।
- **(ii)** 'हिमालय' यहाँ **देश के सम्मान/मान** का प्रतीक है — भौगोलिक अर्थ में नहीं।
- **(iii)** 'कट गए सर' = शहीद होना → स्पष्टतः **कुर्बान होते सैनिकों** के लिए।
- **(iv)** कथन (ख) में 'उत्तरदायित्व किसी और को सौंपना' और (घ) में 'अहंकारी' — दोनों काव्यांश से मेल नहीं खाते। केवल **(क) और (ग)** सही हैं।
- **(v)** 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' — सैनिक देशवासियों को **देश की रक्षा** सौंप रहे हैं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q4. **[5]**

> खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर
> इस तरफ आने पाए न रावन कोई
> तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
> छू न पाए सीता का दामन कोई
> राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
> अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

पठित काव्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनकर लिखिए :

(i) काव्यांश में 'रावन' किसका प्रतीक है ? [1]

(a) अधर्म के मार्ग पर चलने वाले का
(b) असत्य के मार्ग पर चलने वाले का
(c) भारत के प्रति शत्रुता-भाव रखने वाले का
(d) भारत के प्रति सद्भावना रखने वाले का

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) – देश की रक्षा का दायित्व केवल सैनिकों का है । कारण (R) – देशवासियों को राम-लक्ष्मण के समान राष्ट्र रुपी सीता की रक्षा करनी चाहिए । [1]

(a) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है ।
(b) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है ।
(c) कथन (A) तथा कारण कारण (R) दोनों गलत हैं ।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं ।

(iii) 'खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर' – का आशय है – [1]

(a) देश के लिए न्योछावर होने का उदाहरण रखना ।
(b) रक्त-रंजित युद्ध में बढ़ चढ़कर भाग लेना ।
(c) रक्त-रंजित युद्ध से बचने का प्रयास करना ।
(d) देश हेतु आत्म बलिदान की जरूरत न होना ।

(iv) 'साथियो' संबोधन से किसे संबोधित नहीं किया गया है ? [1]

(a) देशवासियों को
(b) साथी सैनिकों को
(c) भावी सैनिकों को
(d) प्रवासियों को

(v) काव्यांश में किसके हाथों को तोड़ने की बात की गई है ? [1]

(a) देश के प्रति गलत मंशा रखने वाले की
(b) देश के प्रति उदार मंशा रखने वाले की
(c) सीता का अपहरण करने वाले व्यक्ति की
(d) सीता को अपमानित करने वाले व्यक्ति की

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q7

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding stimulus+chapter

Model Answer

(i) (c) भारत के प्रति शत्रुता-भाव रखने वाले का

(ii) (b) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(iii) (a) देश के लिए न्योछावर होने का उदाहरण रखना।

(iv) (d) प्रवासियों को

(v) (a) देश के प्रति गलत मंशा रखने वाले की

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Source: काव्य-पाठ 'कर चले हम फ़िदा', पद्य भाग

Explanation

- **(i)** काव्यांश में 'रावन' शत्रु-देशों या देश-विरोधी शक्तियों का प्रतीक है — वे जो भारत पर आक्रमण करना चाहते हैं।
- **(ii)** काव्यांश स्पष्ट करता है कि देश की रक्षा केवल सैनिकों का नहीं, समस्त देशवासियों का दायित्व है ("राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो") — इसलिए कथन (A) गलत है, कारण (R) सही।
- **(iii)** 'खूँ से लकीर' = रक्त-बलिदान की सीमा-रेखा खींचना, अर्थात् देश के लिए बलिदान का उदाहरण प्रस्तुत करना।
- **(iv)** कविता में 'साथियो' देशवासियों, साथी व भावी सैनिकों को संबोधित करता है; 'प्रवासियों' का कोई उल्लेख या संकेत काव्यांश में नहीं है।
- **(v)** पंक्ति "तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे" — यह उन लोगों के हाथों की बात करती है जो देश (सीता-रूपी मातृभूमि) पर बुरी नज़र रखें, अर्थात् देश के प्रति गलत मंशा रखने वाले।

Q5. [3]

'कर चले हम फिदा' कविता से उद्धृत 'तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे' पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि सैनिक देशवासियों से क्या अपेक्षा रखता है ?

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q12 (ग)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

इस पंक्ति में सैनिक देशवासियों से अपेक्षा करता है कि वे देश की रक्षा में पूरी तरह सतर्क रहें। जिस प्रकार राम ने सीता की रक्षा की थी, उसी प्रकार वे भारतमाता की मर्यादा और सम्मान की रक्षा करें। यदि कोई शत्रु (रावण) देश की सीमा की ओर बढ़े, तो उसका हाथ तोड़ दें — अर्थात् उसे पूरी शक्ति से रोकें। सैनिक चाहता है कि देशवासी बलिदान की राह को वीरान न होने दें और कुर्बानियों के काफ़िले को आगे बढ़ाते रहें।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

- Examiner looks for: the **symbolic meaning** of "हाथ तोड़ दो" (stop the enemy firmly), the **Sita-Ram analogy** (protecting the nation's honour like protecting Sita), and the **expectation of continued sacrifice** from countrymen.
- Don't just paraphrase the line — connect it to the broader message: soldiers hand over responsibility of the nation to civilians.
- Key phrase to use: मातृभूमि की मर्यादा / रक्षा की ज़िम्मेदारी।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[1]**

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए : 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' – पंक्ति का आशय है –

A देश के आत्मसम्मान और गौरव पर आँच न आने देना ।
B हिमालय की ओर से शत्रुओं को देश में प्रवेश न करने देना ।
C देश की आन-बान-शान हिमालय की रक्षा करना ।
D हिमालय की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान करना ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q8 (ii)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

उत्तर: **(A) देश के आत्मसम्मान और गौरव पर आँच न आने देना।**

इस पंक्ति में हिमालय देश के मान-सम्मान और गौरव का प्रतीक है।

Explanation

- The textbook's exercise itself asks: "इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?" — confirming that **हिमालय = देश का मान-सम्मान/गौरव** (national pride and self-respect).
- Option A directly captures this symbolic meaning.
- Options B, C, D are too literal (physical defence of the mountain) and miss the metaphorical/symbolic intent of the poet Kaifi Azmi.

Q7. **[3]**

'कर चले हम फिदा' कविता से उद्धृत – 'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' – पंक्ति के संदर्भ में सैनिक जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/2/1 Q12 (क)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' पंक्ति में सैनिकों की अत्यंत विषम परिस्थितियों का चित्रण है। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर लड़ते हुए सैनिकों की नाड़ी (नब्ज़) ठंड से जम रही थी और साँस रुकने लगी थी। अर्थात् वे मृत्यु के कगार पर थे। फिर भी उन्होंने अपने कदम नहीं रोके। सिर कट जाने की परवाह न कर हिमालय का सिर झुकने नहीं दिया। यह पंक्ति सैनिक जीवन की शारीरिक पीड़ा, कठोर मौसम और मृत्यु-भय को पार कर देशरक्षा की अदम्य भावना को व्यक्त करती है।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

- Examiner expects: (1) पंक्ति का अर्थ/संदर्भ (बर्फीला वातावरण, मृत्यु का भय), (2) सैनिकों की कठिनाइयाँ (ठंड, घाव, जानलेवा हालात), (3) इन सबके बावजूद अडिग रहने का भाव।
- 'नब्ज़ = नाड़ी' का अर्थ लिखना अच्छा impression देता है।
- उत्तर कविता की पंक्तियों ('बढ़ते कदम को न रुकने दिया', 'कट गए सर') से जोड़ें।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q8. **[1]**

काव्य-खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : 'कर चले हम फिदा' कविता में किसका हाथ तोड़ने की बात कही गई है ?

A सीता का दामन छूने वाले पापियों की
B धरती माता की पवित्रता नष्ट करने वालों की
C सीता का अपहरण करने वाले रावण की
D देश सेवा से पीछे हटने वाले कायरों की

Previously asked in: 2024 4/2/1 Q8 (ii)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

उत्तर: **(A) सीता का दामन छूने वाले पापियों की**

कविता में कहा गया है — "तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे, छू न पाए सीता का दामन कोई।"

Explanation

The poem uses the metaphor of Sita (representing the honour/dignity of the motherland) and Ravan (the enemy). The line directly says to break the hands of those who try to touch Sita's honour — i.e., those who threaten the dignity of the nation. Option A matches the exact line from the poem. Students must quote or reference the specific line for full marks.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q9. **[5]**

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते क़दम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो...

निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनिए : (5 × 1 = 5)

(I) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' – पंक्ति में हिमालय किसका प्रतीक है ? [1]

(A) भारत माता के मुकुट का
(B) उत्तर में स्थित पर्वत-शृंखला का
(C) देश की आन-बान और शान का
(D) देश के प्राकृतिक सौंदर्य का

(II) 'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' – पंक्ति के संदर्भ में सैनिकों की इस स्थिति का कारण है – [1]

(A) मार्ग की थकावट और निद्रा
(B) ऊँची-ऊँची पर्वत-चोटियाँ
(C) युद्ध में घायल होना
(D) विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियाँ

(III) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए । दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए । कथन : सामने के खतरों के समक्ष साँसें रुकती थीं फिर भी दुश्मन से मुकाबला करने के लिए कदम बढ़ते ही जाते थे । कारण : देश की स्वतंत्रता-सुरक्षा सैनिक के लिए सर्वोपरि थी । [1]

(A) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है ।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।
(C) कथन सही है, किंतु कारण गलत है ।
(D) कथन गलत है, किंतु कारण सही है ।

(IV) शहीद होने वाले सैनिक को किस बात का गर्व है ? [1]

(A) देश को सुरक्षित हाथों में सौंपने का
(B) आखिरी साँस तक देश की रक्षा करने का
(C) देश की सीमा पर बलिदान देने का
(D) शत्रु को देश में न आने देने का

(V) 'कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो' – पंक्ति के संदर्भ में 'फ़िदा' शब्द का अर्थ है – [1]

(A) भेंट देना
(B) मोहित होना
(C) लुटाना
(D) बलिदान करना

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q9

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding stimulus+chapter

Model Answer

(I) (C) देश की आन-बान और शान का

(II) (D) विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियाँ

(III) (A) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

(IV) (B) आखिरी साँस तक देश की रक्षा करने का

(V) (D) बलिदान करना

Explanation

- **(I)** काव्यांश की पंक्ति "सर हिमालय का हमने न झुकने दिया" में हिमालय देश की प्रतिष्ठा, आन-बान और शान का प्रतीक है — न केवल एक भौगोलिक पर्वत का।
- **(II)** ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी और भीषण ठंड के कारण साँस रुकती और नब्ज़ जमती है — यह विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियों का वर्णन है, घाव का नहीं।
- **(III)** दोनों कथन और कारण परस्पर सुसंगत और सही हैं — देशभक्ति ही सैनिक को मृत्यु के सामने भी आगे बढ़ाती है।
- **(IV)** "मरते-मरते रहा बाँकपन" — सैनिक को गर्व है कि अंतिम साँस तक उसने देश की रक्षा की।
- **(V)** शब्दार्थ तालिका के अनुसार 'फ़िदा' का अर्थ 'न्योछावर' अर्थात् बलिदान करना है।

Q10. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर लिखिए कि युवावस्था की सार्थकता किसमें है और क्यों ?

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q10 (घ)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

कविता के अनुसार युवावस्था की सार्थकता देश के लिए बलिदान देने में है। कवि कहता है — *"हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे, वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं।"* अर्थात् जो जवानी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना खून नहीं बहाती, वह व्यर्थ है।

Source: कर चले हम फ़िदा, chapter 6

Explanation

- परीक्षक इस पंक्ति का उल्लेख अवश्य देखते हैं — यही कविता का केंद्रीय भाव है।
- उत्तर में कारण भी देना ज़रूरी है (सार्थकता **किसमें** और **क्यों** — दोनों पूछे गए हैं)।
- 2 अंक के लिए एक मुख्य बिंदु + कविता से एक पंक्ति/उदाहरण पर्याप्त है।

Q11. **[2]**

'खूँ से ज़मीं पर लकीर खींचने' का आशय क्या है – 'कर चले हम फ़िदा' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q10 (घ)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'खूँ से ज़मीं पर लकीर खींचने' का आशय है — अपने रक्त से भारत की सीमा को इतनी दृढ़ता से सुरक्षित करना कि कोई शत्रु (रावण रूपी दुश्मन) उसे पार न कर सके। सैनिक अपने प्राण देकर देश की सीमाओं की रक्षा करने का संकल्प व्यक्त करते हैं।

Source: 'कर चले हम फ़िदा', Chapter 6

Explanation

- यह पंक्ति कविता के उस अंश से है जहाँ सैनिक वीरता और बलिदान की शपथ लेते हैं।
- परीक्षा में 'भाव स्पष्ट कीजिए' वाले प्रश्नों में **प्रतीकार्थ** स्पष्ट करना ज़रूरी है — यहाँ 'खूँ से लकीर' = रक्त से सीमा-रक्षा और 'रावण' = शत्रु/दुश्मन।
- उत्तर संक्षिप्त पर बिंदुवार स्पष्ट रखें।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर लिखिए कि सीमा पर देश की रक्षा करने वाले सैनिकों को किन संकटों से गुजरना पड़ता है ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q10 (iii)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिकों के संकटों का मार्मिक चित्रण है। सीमा पर उन्हें भीषण ठंड में साँस रुकने और नब्ज़ जमने जैसी कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती हैं। सिर कट जाने पर भी वे पीछे नहीं हटते। उन्हें प्रतिक्षण मृत्यु का सामना करना पड़ता है तथा देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ती है।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

- The question asks for **संकट (dangers/hardships)** faced by soldiers — focus on physical and life-threatening challenges mentioned in the poem.
- Key evidence from the poem: *साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई* (extreme cold), *कट गए सर* (mortal injury), *जान देने की रुत* (risk of death).
- Do not write a general essay on soldiers; cite specific images from the poem to score full marks.

Q13. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता के संदर्भ में सैनिक जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q8 (iv)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिक जीवन की निम्न कठिनाइयाँ वर्णित हैं:

- **कठोर मौसम:** हिमालय की कड़कड़ाती ठंड में नब्ज़ जमती रहती है, साँस थमती जाती है, फिर भी सैनिक आगे बढ़ते हैं।
- **प्राण-उत्सर्ग:** सिर कट जाने पर भी वे देश का सिर नहीं झुकने देते — यह सर्वोच्च बलिदान उनकी नियति है।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

इस प्रश्न में 2 अंक हैं, इसलिए दो स्पष्ट बिंदु पर्याप्त हैं। परीक्षक कविता से सीधे उदाहरण ('नब्ज़ जमती गई', 'कट गए सर') के साथ कठिनाइयाँ देखना चाहते हैं। 'हिमालय का सिर न झुकने देना' और 'जान देने की रुत' जैसी पंक्तियाँ उत्तर को मज़बूत बनाती हैं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q14. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता में धरती की तुलना दुलहन से क्यों की गई है ? दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।

Previously asked in: 2022 4/1/1 Q1 (ग)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

कविता में धरती की तुलना दुलहन से निम्न दो कारणों से की गई है:

1. जिस प्रकार दुलहन को सजाया-संवारा जाता है, उसी प्रकार वीर सैनिकों के बलिदान से यह धरती गौरवशाली एवं सुंदर बनती है।
2. दुलहन की तरह यह धरती अत्यंत पवित्र और सम्माननीय है, जिसकी रक्षा करना प्रत्येक सैनिक का कर्तव्य है।

Source: कर चले हम फ़िदा, chapter 6

Explanation

- The key line from the poem is: **"आज धरती बनी है दुल्हन साथियो"** — examiners expect you to connect this to the idea of the land being precious, beautiful and worth protecting.
- Two distinct points are required for 2 marks — write one point per mark.
- No need to quote the full poem; just refer to the relevant image and explain it in your own words.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q15. **[5]**

> राह कुर्बानियों की न वीरान हो
> तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
> फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
> ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
> बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
> अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो ।

पठित काव्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) सैनिकों की देशवासियों से क्या अपेक्षा है ? [1]

(a) देश की सुरक्षा की
(b) देश के उत्थान की
(c) देश के विस्तार की
(d) देश के विकास की

(ii) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : (क) सैनिक सर पर कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि उनके जीवन का अंत निकट है । (ख) सैनिक सर पर कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि वे अत्यंत घायल अवस्था में हैं । (ग) सैनिक सर से कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि देशहित में मृत्यु का भी सामना करना पड़ सकता है । (घ) सैनिक सर से कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि युद्ध के दौरान ऐसा करने की एक प्राचीन परंपरा है । पद्यांश से मेल खाते हुए उपर्युक्त कथन/कथनों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए : [1]

(a) केवल (ख)
(b) केवल (ग)
(c) (क) और (ख)
(d) (ग) और (घ)

(iii) कवि किस काफ़िले को सजाने की बात कह रहा है ? [1]

(a) सीमा पर रसद पहुँचाने वाले काफ़िले को
(b) सीमा पर भोजन पहुँचाने वाले काफ़िले को
(c) देश की सीमा पर तैनात सैनिकों के काफ़िले को
(d) देश की रक्षा हेतु तत्पर सैनिकों के काफ़िले को

(iv) पद्यांश में 'कट गए सर हमारे' में 'हमारे' संबोधन का प्रयोग किसके लिए हुआ है ? [1]

(a) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए
(b) देश की रक्षा हेतु घायल होते सैनिकों के लिए
(c) देश की सीमाओं पर पहरा देते सैनिकों के लिए
(d) देश के उत्तरी क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए

(v) 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो' पंक्ति में किस 'राह' की बात की गई है ? [1]

(a) मातृभूमि की रक्षा हेतु अहिंसा की राह
(b) मातृभूमि की रक्षा हेतु बलिदान की राह
(c) दुश्मनों से अहिंसात्मक बदला लेने की राह
(d) दुश्मनों से शांतिपूर्ण समझौता करने की राह

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q7

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding stimulus+chapter

Model Answer

(i) **(a) देश की सुरक्षा की**

(ii) **(b) केवल (ग)**

सैनिक सर पर कफ़न बाँधने की बात इसलिए करते हैं क्योंकि वे देशहित में मृत्यु का भी सामना करने के लिए तैयार हैं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

(iii) **(d) देश की रक्षा हेतु तत्पर सैनिकों के काफ़िले को**
कवि चाहता है कि बलिदान की राह पर चलने वाले नए सैनिकों के काफ़िले सजते रहें।

(iv) **(a) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए**
'हमारे' संबोधन उन वीर सैनिकों के लिए है जो मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं।

(v) **(b) मातृभूमि की रक्षा हेतु बलिदान की राह**
कवि चाहता है कि देशवासी कुर्बानियों की इस राह को कभी सूना न होने दें और देश-रक्षा का सिलसिला जारी रखें।

Source: कर चले हम फ़िदा, पद्यांश (अंतिम छंद)

Explanation

- **MCQ-based comprehension** — उत्तर सीधे पद्यांश से चुनना है; विकल्प + एक पंक्ति में कारण लिखने से पूरे अंक मिलते हैं।
- (ii) में ध्यान दें: कफ़न बाँधना मृत्यु का भय नहीं, बल्कि **देशहित में मृत्यु की स्वीकृति** है — इसलिए केवल (ग) सही है।
- (iii) में 'काफ़िले' का अर्थ यात्रियों/सैनिकों का समूह है (शब्दार्थ से); 'नए काफ़िले सजाना' = नई पीढ़ी के देश-रक्षकों को तैयार करना।
- हर उत्तर के साथ एक-दो शब्दों में कारण लिखना परीक्षा में उपयोगी रहता है।

Q16. [3]

'कर चले हम फ़िदा' कविता की पंक्ति "साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई" में किस स्थिति का वर्णन किया गया है ? इसमें सैनिक के हृदय की कौन-सी भावना व्यक्त हुई है ?

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q12 (क)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

"साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई" पंक्ति में हिमालय की कड़कड़ाती ठंड में युद्ध करते हुए घायल सैनिकों की दयनीय शारीरिक स्थिति का वर्णन है। अत्यधिक ठंड और घावों के कारण साँसें रुकने लगीं और नाड़ी जमने लगी — अर्थात् मृत्यु निकट थी।

फिर भी सैनिकों ने अपने कदम नहीं रोके। इसमें सैनिक के हृदय की **अदम्य देशभक्ति और बलिदान की भावना** व्यक्त हुई है — वे मरते-मरते भी वीरता से लड़ते रहे और देश की रक्षा को अपने प्राणों से ऊपर रखा।

Source: कर चले हम फ़िदा, chapter 6

Explanation

- **पंक्ति का भाव (स्थिति):** शारीरिक कष्ट — ठंड व चोट से साँस-नाड़ी थमना — यह ज़रूर लिखें।
- **भावना:** देशभक्ति + बलिदान + अदम्य साहस — तीनों में से कम-से-कम दो का उल्लेख करें।
- परीक्षक **दो अलग चीज़ें** माँग रहा है: (1) स्थिति का वर्णन, (2) भावना — दोनों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग लिखें।
- "नब्ज़ जमती गई" का अर्थ है नाड़ी जम जाना, यानी मृत्यु के करीब होना — यह शब्दार्थ परीक्षा में सटीकता दिखाता है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q17. **[3]**

कैफ़ी आज़मी का यह गीत — 'कर चले हम फ़िदा ...' किनके बारे में लिखा गया है ? इस गीत में उनकी किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है ?

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q12 (ख)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

यह गीत **भारतीय सैनिकों** के बारे में लिखा गया है जो देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करते हैं। यह गीत चेतन आनंद की फ़िल्म *हक़ीक़त* के लिए लिखा गया था।

इस गीत में सैनिकों की निम्नलिखित विशेषताओं का वर्णन है:

- **अदम्य साहस** — साँस थमती और नब्ज़ जमती रही, फिर भी कदम नहीं रुके।
- **राष्ट्रभक्ति** — सर कट जाने पर भी हिमालय का सर नहीं झुकने दिया।
- **बलिदान की भावना** — देश को जान से भी अधिक प्रिय माना।
- **सतत प्रेरणा** — आने वाली पीढ़ियों को कुर्बानियों की राह पर चलने की प्रेरणा दी।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

- प्रश्न दो भागों में है — **किनके बारे में** और **विशेषताएँ**। दोनों का उत्तर देना अनिवार्य है।
- फ़िल्म *हक़ीक़त* का उल्लेख करना अतिरिक्त पहचान देता है।
- विशेषताएँ सीधे कविता की पंक्तियों से जोड़कर लिखें — इससे परीक्षक को स्पष्ट होता है कि छात्र ने कविता समझी है।
- 3 अंक के लिए: एक परिचयात्मक वाक्य + 3-4 विशेषताएँ पर्याप्त हैं।

Q18. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता से सैनिक की किन विशेषताओं का पता चलता है ?

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q10 (iii)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.2 युद्ध और त्याग | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

'कर चले हम फ़िदा' कविता से सैनिक की निम्न विशेषताओं का पता चलता है:

- **देशभक्ति व बलिदान की भावना** — सैनिक जान-तन न्योछावर कर देशरक्षा करता है।
- **अदम्य साहस** — साँस थमती है, नब्ज़ जमती है, फिर भी कदम नहीं रुकते; सर कट जाने पर भी हिमालय नहीं झुकने देते।
- **कर्तव्यनिष्ठा** — मरते-मरते भी बाँकपन (वीरता) बनाए रखते हैं।

Source: 'कर चले हम फ़िदा', Chapter 6

Explanation

परीक्षक दो अलग विशेषताएँ कविता से उद्धरण सहित देखते हैं। **1 अंक** — एक सटीक विशेषता + संक्षिप्त साक्ष्य; **दूसरा अंक** — कोई अन्य विशेषता। 'साहस', 'बलिदान', 'देशप्रेम', 'कर्तव्यनिष्ठा' — इनमें से कोई दो लिखना पर्याप्त है। कविता की पंक्तियों से जोड़ना उत्तर को मज़बूत बनाता है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q19. **[2]**

'कर चले हम फ़िदा' कविता से उद्धृत 'राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q10 (iv)

◆ कैफ़ी आज़मी – कर चले हम फ़िदा | 6.3 सैनिकों का बलिदान | 6.3.1 मातृभूमि के लिए समर्पण | 6.3.3 राष्ट्रप्रेम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

इस पंक्ति में कवि सैनिकों की तुलना राम और लक्ष्मण से करता है। जैसे राम ने रावण से सीता की रक्षा की और लक्ष्मण ने उनका साथ दिया, उसी प्रकार भारतीय सैनिक भी देश की रक्षा करने वाले और एक-दूसरे के साथी हैं। इसमें सैनिकों से देश की मर्यादा की रक्षा का आह्वान है।

Source: कर चले हम फ़िदा, Chapter 6

Explanation

- Examiner looks for: (1) राम और लक्ष्मण का symbolic अर्थ, (2) सैनिकों से जोड़ना, (3) देश/मर्यादा-रक्षा का भाव।
- इस पंक्ति से पहले "सीता का दामन" और "रावण" का उल्लेख है — उसी संदर्भ में यह पंक्ति आती है, इसलिए रामायण प्रसंग से जोड़ना ज़रूरी है।
- दोनों मार्क्स के लिए दोनों बिंदु (प्रतीकात्मक अर्थ + आह्वान) देना आवश्यक है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories